to ... (*Interruptions*) ... Rs. 2,270 crores more for 1992-93 and what are the corrective steps the Centre proposes to take to disciple the State Electricity Boards ? (*Interruptions*)

SHRI P. UPENDRA : (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN : Direct it to them, not to me. I am trying to run the Question Hour in proper order. Instead of saying to the Chair, you tell the Members who are behaving like this. Do not tell the Chair. Tell the Members. Use your good offices.

SHRI P. UPENDRA : (*Interruptions*)

SHRI B.K. HARIPRASAD : Madam Chairperson, the hon. Minister has not answered my question.

SHRI P.V. RANGAYYA NAIDU : (*Interruptions*) Efforts are being made to improve the financial performance ... (*Interruptions*) to achieve satisfactory results. (*Interruptions*)

SHRI B.K. HARIPRASAD : Madam, it is very unfortunate. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN : You are presenting a very bad picture. I am very sorry. मुझे बड़ा अफसोस है कि आप प्रजातंत्र को चलने नहीं दे रहे है । I am sorry. You are not allowing the *Prajatantra* to go on. I am sorry. आप बैठ जाइये । I am very sorry. (*Interruptions*) It is the right of Members to ask questions.

श्रीमती सत्या बहिन : मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहती हूं कि क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश विद्युत परिषद् को निजि हाथों में देने का निर्णय लिया गया है ? यदि हां तो . . (व्यवधान) इसका क्या कारण है ?

SHRI P.V. RANGAYYA NAIDU : There is no proposal for privatisation of the U.P.S.E.B. (*Interruptions*).

SHRI P. UPENDRA : I am on a point of order. Can a Member go to the Minister and give him the question privately ? It is no private business here. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN : Question No. 166. (*Interruptions*).

SHRI MENTAY PADMANABHAM : Madam, you cannot run the House like this. (*Interruptions*).

SHRI P. UPENDRA : Please adjourn the House. ... (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN : Question No. 166.

**Loans for Buying Jewellery**

*166. SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE :

SHRIMATI VEENA VERMA :

Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether the Indian Overseas Bank has launched a unique scheme of granting loans for buying items of jewellery ; and

(b) if so, to what extent it is in consonance with Government's credit policy ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (DR. ABRAR AHMED) : (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the House.

**Statement**

(a) Indian Overseas Bank (IOB) has not introduced any new scheme for granting loans for buying jewellery. It has been implementing a consumer loan scheme since 1960 under which loans equivalent to 5 months' gross salary may be sanctioned to eligible borrowers who are in regular employment subject to some conditionalities; such loans are also available to employees of the bank who have completed three years of service. IOB has permitted employees eligible for consumer loans to buy jewellery upto Rs. 25,000.

(b) Reserve Bank of India (RBI) has reported that the scheme does not contravene guidelines issued by RBI in regard to loans and advance to be made by banks.

**श्री सुशील कुमार संभाजीराव शिन्दे :** महोदया, मैं यह जानना चाहता हूं कि बैंक कर्मचारियों को अभी तक कितना पैसा दिया गया है और स्पेशल एलोकेशन में कितना पैसा डिस्ट्रीब्यूट किया गया है .... **(व्यवधान)**

**डा० अबरार अहमद :** मेडम, अभी तक 1993 तक 30.22 करोड़ रुपए इस योजना के तहत कर्मचारियों को ऋण दिया गया है जिससे वे ज्वेलरी खरीद सकते हैं। इसके अलावा जो कंज्यूमर गुड्स खरीदने की योजना है वह जनरल पब्लिक को ही दिया जाता है। The amount advanced to the public—Rs. 15.30 crores up to 31 March 1991 : up to 31 March 1992, Rs. 10.24 crores; and up to 30 September 1993, Rs. 10.80 crores.

**श्री सुशील कुमार संभाजीराव शिन्दे :** महोदया, इस हमारे गरीब देश में जो हमारे युवक हैं, रास्ते, पर बैठने वाले कर्मकार हैं, गरीब तरकारी बेचने वाला है उनके लिए बैंक बोलता है कि पैसा नहीं है। लेकिन इस तरह से ज्वैलरी खरीदने के लिए पैसा देना हमारे सोशियल नियमों के खिलाफ है और हमारी पालिसी के खिलाफ है ... **(व्यवधान)** ...

उन लोगों को ... **(व्यवधान)** ...जो गरीब हैं, पिछड़े वर्ग के लोग हैं, उनके लिये ऐसा लोन देने और उनके लिये ज्यादा पैसा रखने का काम करें; यही मैं सरकार से प्रार्थना करता हूं कि इस तरह से गरीब लोगों को जेवरात खरीदने के लिये ऐसी स्कीमें स्वीकार करना यह हमारी पालिसी और फिलासफी के अगेंस्ट है।

**डा० अबरार अहमद :** यह जो योजना है यह सिर्फ बैंकों के कर्मचारियों के लिये है और गरीब लोगों के लिये जैसा माननीय सदस्य ने कहा प्रायरिटी सेक्टर लेंडिंग स्कीम है। टोटल लेंडिंग का 40 परसेंट प्रायरिटी सेक्टर में दिया जाता है और उसमें भी टोटल लेंडिंग का 10 परसेंट जो पिछड़े गरीब लोग हैं उनके लिये निर्धारित है और टोटल प्रायरिटी सेक्टर में 30 परसेंट उन गरीब लोगों को दिया जाता है।

THE DEPUTY CHAIRMAN : Don't do this. (*Interruptions*) If you do not want to work, you can leave. But don't disturb the House. I won't permit. I will continue the House. I am not going to adjourn the House. Keep shouting. It is up to you. But this is very bad.

**श्रीमती वीणा वर्मा :** महोदया, मैं ... **(व्यवधान)** ...

**डा० अबरार अहमद :** मैडम, यह जो स्कीम है यह आर० बी० आई० की गाइड लाइंस के मुताबिक ही है और जो वेलफेयर स्कीम है, इम्पलाईज के लिये उनके तहत इसको किया गया है। यह स्कीम अन्य बैंकों में नहीं है इस बैंक के अलावा। दूसरे बैंकों में ... **(व्यवधान)** ... क्लीन लोक स्कीम चार बैंकों के अंदर है उसमें विजया बैंक, सिंडिकेट बैंक कोआपरटिव बैंक, और यूनियन बैंक यहां क्लीन लोन दिया जाता है। इससे वहां के इम्पलाईज जो चाहे खरीद सकते हैं, वे इससे चाहे कंज्यूमर गुड्स खरीदें चाहे जेवरात खरीदें। इस लोन के माध्यम से यह किया जा सकता है।

SHRI V. NARAYANASAMY : Madam, the Minister has stated that the scheme for giving loan to the public is not implemented. (*Interruptions*) In India, loan is very much demanded by the people ... (*Interruptions*) I would like to know whether ... (*Interruptions*)

**डा० अबरार अहमद :** मैडम, जैसा मैंने पहले कहा कि गरीब लोगों को प्रायरिटी सेक्टर लेंडिंग के माध्यम से दिया जाता है। जो यह स्कीम है यह सिर्फ बैंकों के इम्पलाईज के लिये है जो 30 मार्च, 1993 से चालू की गयी है।

**श्री विठ्ठलराव माधवराव गाडगे :** मैडम ... **(व्यवधान)** ... महिलाओं के लिये मंगलसूत्र

खरीदने के लिये कोई नयी योजना बनायी जा रही है या नहीं बनायी जा रही है ? अगर बनायी जा रही है तो वह क्या है, यह मैं मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं ?

**डा० अबरार अहमद** : मैडम, जैसा मैंने अभी कहा यह सिर्फ बैंक के कर्मचारियों के लिये है, आम आदमी के लिये नहीं । माननीय सदस्य ने 30 परसेंट जो गरीब जनता है उसके बारे में और मंगलसूत्र खरीदने के लिये लोन के बारे में पूछा है तो मैं कहना चाहता हूं कि इस प्रकार की कोई योजना नहीं है . . . (**व्यवधान**) . . . ऐसी योजना अभी बैंकों क अन्दर है जिसके तहत क्लीन लोन दिया जा सके।

. . . (**व्यवधान**) . . .

**श्री सुशील कुमार संभाजीराव शिन्दे** : मैडम बैंकों के पास क्या कोई ऐसी व्यवस्था है कि जो जेवरात के लिये पैसा दिया जाता है तो क्या उन गरीब लोगों का रिकार्ड रखा जाता है । हमारी इन्फर्मेशन यह है कि कई लोगों को गलत पैसा दिया जा रहा है और असली में जो गरीब लोग हैं, जो गरीब युवक हैं उनको कर्जा नहीं मिल रहा है । तो इसको देने का क्या तरीका है ? क्या आप कन्फर्म करते हैं कि जेवर खरीदने के लिये आपने जिन्हें पैसा दिया है वह गरीब लोग हैं, क्या इसको कन्फर्म करते हैं ? . . . (**व्यवधान**) . . .

इसके लिए कुछ कनफर्मेशन होता है ? (**व्यवधान**)

**डा० अबरार अहमद** : माननीय सदस्य ने जो यह जानना चाहा . . . (**व्यवधान**) उन्होंने वास्तव में जेवर खरीदा इसका प्रमाणन् किस प्रकार से होता है (**व्यवधान**) जिस भी कर्मचारी को ऋण दिया जाता है (**व्यवधान**) जेवर खरीदने के जो वाऊचर होते हैं उनका बैंक द्वारा इंस्पेक्शन किया जाता है । (**व्यवधान**) वाऊचर देने केबाद वह ऋण दिया जाता है (**व्यवधान**)

**श्री रजनी रंजन साहू** : मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा (**व्यवधान**) क्या यह योजना सम्पूर्ण महिलाओं के लिए चालू की जाएगी (**व्यवधान**) क्या महिलाओं को छूट दी जाएगी (**व्यवधान**)

**डा० अबरार अहमद** : इसको रिव्यू किया जाएगा (**व्यवधान**) रिव्यू करने के बाद देखा जाएगा कि किसी प्रकार के परिणाम रहते हैं (**व्यवधान**) उसके बाद ही माननीय सदस्य ने जो बात कहीं उसको देखा जा सकता है (**व्यवधान**)

**श्री रजनीरंजन साहू** : इस योजना में . . . (**व्यवधान**) मेरा सुझाव है कि महिलाओं को छूट दी जाए (**व्यवधान**)

**डा० अबरार अहमद** : जहां तक महिलाओं को छूट देने वाली बात है यह स्कीम अभी सिर्फ एक बैंक के कर्मचारियों के लिए है . . . (**व्यवधान**) आम आदमी के लिए नहीं है (**व्यवधान**) जैसे मैंने अभी बताया इसके अलावा बैंकों के अन्दर जो क्रीम लोन देने की योजना है, वह लोन जो भी कस्टमर लेता है (**व्यवधान**) उससे कुछ भी खरीद सकता है, चाहे वह महिला हो या पुरुष हो (**व्यवधान**) लेकिन अभी यह योजना सिर्फ एक बैंक के कर्मचारियों के लिए है (**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN : Q. No. 167 . . . (*Interruptions*) . . .

**श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव** : महोदया (**व्यवधान**)

**डा० अबरार अहमद** : माननीय सदस्य ने जो सुझाव रखा है, मैंने इस सुझाव को सुना है (**व्यवधान**) उचित समय पर उसे देखा जाएगा (**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN : Q. No. 167. . . . (*Interruptions*) . . . Q. No. 168. . . . (*Interruptions*) . . . Q. No. 169. . . . (*Interruptions*) . . . Q. No. 170.

*167. [*The questioners (Dr. Naunihal Singh and Shri Suresh Pachori) were absent. For answer Vide Col 37 infra.*]

*168 [*The questioner (Shri V. Hanumantha Rao) was absent.*]